THE SCIENCE WORLD
A Monthly e Magazine
ISSN:2583-2212
Jan, 2025 Vol.5(1), 6116–6118

Popular Article

भीमबेटका चित्रकला तकनीक एवं इतिहास

सौरभ श्रीवास्तव
कनिष्ठ संकाय, एफ डी डी आई नोएडा

DOI:10.5281/ScienceWorld.14773218

भारत के हृदय एवं मध्य क्षेत्र के रूप में जाना जाने वाला राज्य मध्य प्रदेश जो अपनी कई कला एवं गुफा कला के रूप में विख्यात है, उनही में से एक स्थान मध्य प्रदेश में बसे भोपाल के भीमबैठिका का भी है ।

भीमबेटका मध्यप्रदेश के भोपाल से करीब 44से 50 किमी की दूरी पर स्थित है । कई शीलश्रयों के झुंडो के रूप मे विख्यात यह स्थल अपने गुफा चित्र के लिए एवं मानव विकास के इतिहास को दर्शाने के लिए विख्यात है ।

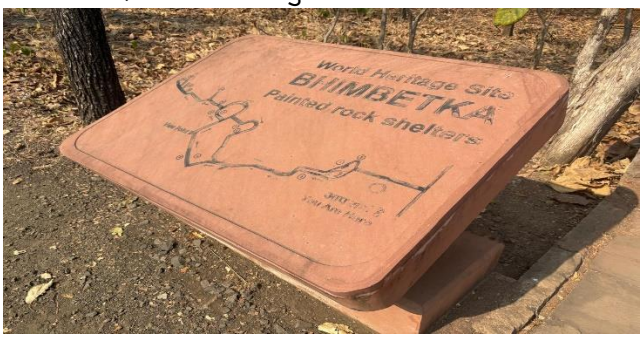

चित्र 1- भीमबेटका प्रवेशद्वार शीला

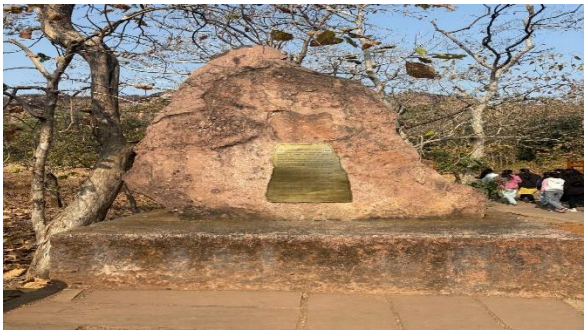

चित्र 2- भीमबेटका प्रवेशद्वार शीला

भीमबैठिका भारत के प्रमुख रॉक पेंटिंग के लिए विख्यात स्थान है जहा करीब 700 से जादे शीलाश्रयों मौजूद है जो मानव जाती के विकाश क्रम को दर्शाते है । पुरापाषाण, मध्यपाषाण और ऐतिहासिक काल को एवं मानव जीवन उनके होने एवं इतिहास में घटित घटनाओ को दर्शाने के लिए यहा के रॉक पेंटिंग विख्यात है ।

भारत के प्रसिद्ध कला इतिहासकर डॉ. विष्णु वाकणकर द्वारा भीमबेटका गुफाओं की आकस्मिक खोज ने प्रारंभिक मानव सभ्यता की सांस्कृतिक कथा को समझने में एक महत्वपूर्ण साधन साबित हुआ। महाकाव्य महाभारत के भीम के नाम पर रखा गया भीमबेटका का मोटे तौर पर अनुवाद "भीम के बैठने का स्थान" है। भीमबेटका की चट्टानें प्रारंभिक पाषाण युग से लेकर ऐतिहासिक समय तक मानव निवास का एक अटूट रिकॉर्ड दर्शाती हैं

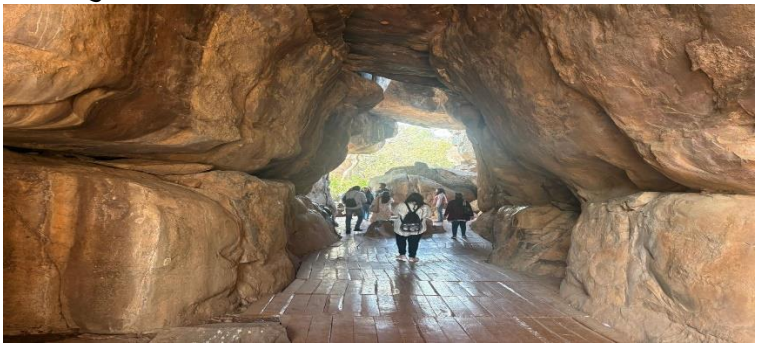

चित्र 3-भीमबेटका प्रवेश गुहा

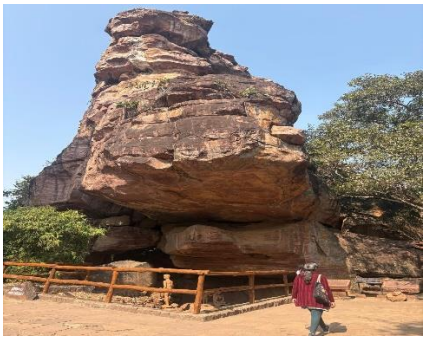

चित्र 4- भीमबेटका शीलाश्रय

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 29/01/2025

2003 में विश्व धरोहर के रूप में विख्यात यह स्थल करीब 600 से जादे गुफा के लिए जाना जाता है ,जहा पुरानी चित्रकला लगभग 12,000 वर्ष पुरानी है, जबकि सबसे हालिया चित्रकला लगभग 1000 वर्ष पुरानी है। यहा आज भी 12 गुफा दर्शको आम व्यक्ति के देखने के लिए भारत सरकार द्वारा खोले गए है।

भीम से जुड़े इस स्थान पर एक अष्टभूजी वैष्णो माता का मंदिर भी स्थित है स्थानीय लोगो के अनुसार भीम यही बैठा करते थे एवं सबसे मिलते थे तभी से इस स्थान को भीमबैठिका कहा जाने लगा।

इसमें भारत की सबसे पुरानी ज्ञात रॉक कला है और यह सबसे बड़े प्रागैतिहासिक परिसरों में से एक है।

तकनीक

भीमबेटका गुफा चित्र न केवल अपनी विषय-वस्तु के लिए बल्कि अपनी कलात्मक शैली और तकनीक के लिए भी आकर्षक हैं कलाकार ने यहा पर समय के अनुसार अपनी नयी तकनीक एवं माध्यम को परत दर परत कार्य कर एवं पुरानी चित्रकला को बिना नष्ट किए ही अपनी आकृति का निर्माण किया है । मुख्य रूप से लाल रंग एवं सफ़ेद रंग इस समय चित्रो के लिये सबसे प्रमुख रंग थे , जिसमें कभी-कभी हरे और पीले रंग का उपयोग भी किया जाता है, ये कलाकृतियाँ सौंदर्य की एक सरल लेकिन गहन भावना को दर्शाती हैं जहां ज्यामितीय रूपो का प्रयोग एवं रेखीय अंकन देखने को मिलता है । मैंगनीज, हेमेटाइट, लकड़ी के कोयले और जानवरों की चर्बी से प्राप्त प्राकृतिक रंगद्रव्य और रंगों का उपयोग इन चित्रों को उनकी असाधारण लचीलापन देता है, जिससे वे समय की कसौटी पर खरे उतरते हैं। एवं आज भी पूर्व की भांति ही दिखाई देते है ।

चित्रों के विषय

भीमबेटका गुफा चित्रकला के विषय अत्यंत विविध हैं जहा मानव जाती के व्यवहार उनके क्रियाकलाप जीवन व्यतीत करने के तरीके मनोरंग शिकार जैसे गतिविधियों, घटनाओं और प्राणियों की अधिकता को दर्शाते हैं:

जीव-जंतु: चित्रों में हाथी, मृग और बाइसन सहित विभिन्न प्रकार के जानवरों को दर्शाया गया है। ये चित्रण प्रारंभिक मनुष्यों के अपने प्राकृतिक पर्यावरण के साथ मजबूत संबंध को उजागर करते हैं।

शिकार के दृश्य: सामूहिक शिकार के दृश्य, जिनमें पुरुष घोड़ों और हाथियों पर सवार होते हैं, भाले और तलवारें चलाते हैं प्रारंभिक मनुष्यों के बीच अस्तित्व की प्रवृत्ति और सहयोग को दर्शाते हैं।

सामाजिक जीवन: कुछ चित्र प्रागैतिहासिक मानव के सामाजिक जीवन की झलकियां प्रदान करते हैं, जिनमें नृत्य, गायन उत्सव मनाने और यहां तक कि शराब बनाने के दृश्य भी शामिल हैं।

चित्र

चित्रो में भीमबेटका में 9 श्रेणी में चित्रो का अंकन किया गया है , जिसके माध्यम से चित्रा के कुशलता मानव का कला के प्रति बढ़ता रुझान एवं उनकी दैनिक दिनचर्या को कला के माध्यम से दर्शाना दिखाया गया है । चित्रकला अलग-अलग समय पे होने के बावजूद नयी कला ने पुरानी कला को बिना क्षति पाहुचाए ही अपनी कला का निर्माण कर मानव के कला प्रेम एवं बुद्धि कौशलता को प्रस्तुत किया है ।

चित्रो में शिकार के द्रश्य , जानवरो की सवारी , पशु के चित्र एवं कई तरह के अन्य जीव एवं पक्षियो के चित्र देखने को मिलते है । प्रस्तुत किए गए सभी चित्रा स्वतः ही भीमबेटका जाकर लिए है जिससे चित्रो का यथार्थ भाव भी समझ आता है ।

चित्र 5-लाल रंग युक्त चित्र

चित्र 6- घुड़सवार

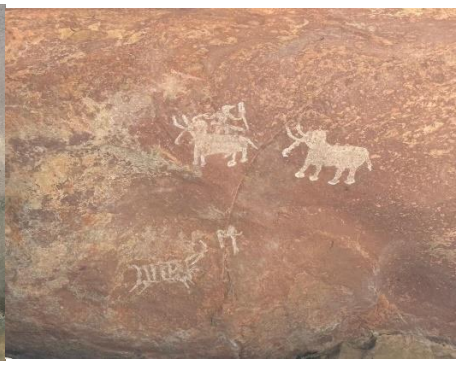

चित्र 7-हाथी एवं हाथी कंकाल

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 29/01/2025

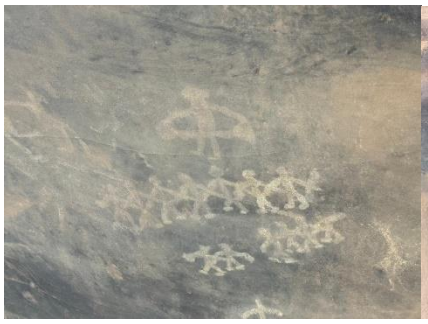

चित्र 8-मानव क्षृंखला

चित्र 9-शिकार एवं घुड़सवारी

चित्र 10-सतह दर सतह चित्र

चित्र 11-सफ़ेद घोडाएवं सज्जा

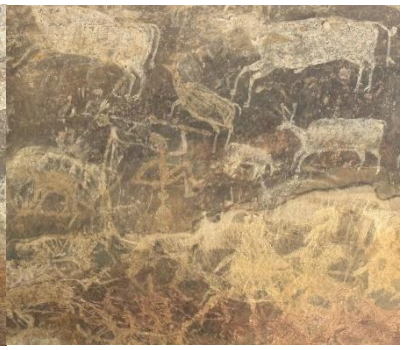

चित्र 12- हिरण ,मानव एवं अन्य पशु

https://testbook.com/ias-preparation/bhimbetka-caves
https://pwonlyias.com/ncert-notes/bhimbetka-cave-paintings/

Official Website
www.thescienceworld.net
thescienceworldmagazine@gmail.com
Published 29/01/2025